an>

Title: Regarding problems faced by postal agents due to online functioning of post offices.

श्री अरविंद सावंत (मुम्बई दक्षिण) : सभापति महोदय, मैं सदन में एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाना चाहता हूं। डाक विभाग आजकल बहुत अच्छा काम कर रहा है और डाक विभाग के माध्यम से छोटे-छोटे लोगों को सेवा मिल रही है। लेकिन उसमें कुछ खामियां हैं, जिन्हें मैं शून्यकाल के माध्यम से संबंधित मंत्री और विभाग के सामने लाना चाहता हूं। हमारे क्षेत्र में पालघर नाम का एक जिला है। उस जिले में डाक विभाग ने अपनी सारी योजनाएं नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट, किसान विकास पत्र, मंथली इंकम स्कीम, रिकरिंग डिपाजिट आदि में पैसा जमा करने के लिए एजेन्ट्स रखे हैं। लगभग चार हजार एजेन्ट्स पालघर जिले में हैं। उसमें सबसे ज्यादा महिलाएं हैं और उनमें भी ट्राइबल महिलाएं हैं। वे बेचारी ये सब काम कर रही हैं। लोग जब पैसा लेकर पोस्ट आफिस में जाते हैं तो वहां कर्मचारी नहीं हैं और वहां एक पिनेकल सिस्टम लगाया गया है, जो बहुत धीमी गति से चलता है, जिसके कारण वे दो-दो घंटे लोगों को बैठाते हैं और इन्हें भी बैठाते हैं। इन्हें कहते हैं कि 12 बजे के बाद तुमसे स्वीकृति नहीं ली जायेगी। पैसा किसका है, पैसा जनता का है, पैसा कहां भर रहे हैं, सरकार की तिजोरी में भर रहे हैं और एक बजे के बाद आया करके स्वीकृति नहीं दे रहे हैं। डाकघरों से इन गरीब महिलाओं को कमीशन मिलता है। लेकिन उस कमीशन पर टीडीएस काटा जाता है और पिछले दो वर्षों से उनका टीडीएस भी वापस नहीं किया गया है। उन बेचारी महिलाओं ने बीच में आंदोलन भी किया था।

मैं आपके माध्यम से सरकार से दो चीजें कहना चाहता हूं, प्रथम यह कि इनका टीडीएस तुरंत वापिस किया जाए, दूसरा जो पिनेकल सिस्टम वहां लगाया गया है, वह बहुत खराब है, उस सिस्टम को दुरुस्त करें या वहां नया सिस्टम लगाया जाए। हमारे मुम्बई शहर के वर्ली के पोस्ट आफिस में भी यही दिक्कत हुई थी। ये दोनों मांग मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से करता हूं और यह सिर्फ मुम्बई और पालघर के लिए नहीं होगा, क्योंकि पिनेकल सिस्टम पूरे भारतवर्ष में हैं और जो गरीब लोग खास तौर से जो पेंशनधारक, टीडीएस डिपाजिट करने वाले लोग हैं, उन्हें इसके कारण तकलीफ होती है। मैं सरकार से अपेक्षा करता हूं कि जल्दी से जल्दी उनका टीडीएस का पैसा वापिस किया जाए और पिनेकल सिस्टम में सुधार किया जाए। धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON: Shri Rahul Shewale, Kunwar Pushpendra Singh Chandel, Shri Sudheer Gupta and Dr. Manoj Rajoria are permitted to associate with the issue raised by Shri Arvind Sawant.